चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

1 अक्तूबर से 15 अक्तूबर, 2023 तक कपास की खेती के लिए सुझाव

सस्य क्रियाएँ

- अब कपास व नरमा दोनों में ही पानी अथवा सिंचाई की आवश्यकता नहीं है।
- धूप खिलने के बाद ही साफ व सूखी कपास की चुनाई करें। अमरीकन कपास अक्तूबर के महीने में चुनने के लिये तैयार हो जाती है। चुनाई 15–20 दिन के अन्तर पर करें। कपास का सूखे गोदामों में भण्डारण करें।

कीट प्रबंधन

- अक्टूबर के महीने में गुलाबी सुंडी का प्रकोप नरमा की फसल में ज्यादा बढ़ जाता हैं। विशेषकर देर से लगायी गई नरमा फसल में गुलाबी सुंडी का प्रकोप ज्यादा होता हैं। ऐसी स्थिति में नरमा की फसल को लम्बी अवधि तक न बढ़ाये।
- **नरमा की पछेती फसल में गुलाबी सुंडी का प्रकोप फलीय भागों पर 5–10 प्रतिशत होने पर एक छिड़काव 80 से 100 मिलीलीटर साइपरमेथ्रिन 25 ई.सी. अथवा 160 से 200 मिलीलीटर डेकामेथरीन 2.8 ई.सी. अथवा 125 मिलीलीटर फेनवलरेट 20 ई.सी को 200 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ की दर से करें।**
- संभव हो तो गुलाबी सुंडी द्वारा ग्रसित नरमा कि चुगाई एवं रख रखाव अलग अलग करें ।
- नरमा कि पछेती फसल में मिलीबग का प्रकोप हो तो एक छिडकाव प्रोफेनोफोस 50 EC की 3 मिली. मात्रा प्रति लीटर पानी कि दर से करें।

रोग प्रबंधन

- कपास के तिड़क रोग से टिंडे ठीक तरह से नही खुलते। यह रोग हरियाणा के पश्चिमी इलाकों में कभी कभी लगने लगता है। रेतीली जमीनों में नाइट्रोजन की कमी के कारण कपास के पत्तों का रंग लाल पड जाता है एवम बढ़वार रुक जाती है। फूल तथा टिंडे लगने के समय आवश्यकतानुसार खाद डालने व पानी देने से जमीन के तापमान में कमी आती है और इस रोग की रोकथाम में आसानी होती है।
- टिंडा गलन रोग पर नियंत्रण के लिए सुंडी नियंत्रण वाली सिफारिश की गयी दवाई के साथ कॉपर ऑक्सिक्लोराइड या बाविस्टिन 2 ग्राम प्रति लीटर पानी के साथ मिलाकर छिड़काव करें ।

अन्य सलाह

- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग द्वारा समय समय पर जारी मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही कीटनाशकों एवं फफूंदनाशकों का प्रयोग करें।

इसके अतिरिक्त कोई भी संशय होने पर निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें

8002398139 7015105638 9812700110 9416530089 9041126105 9992911570 8901047834

कपास अनुभाग

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्विद्यालय हिसार